हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 | अंक : 349 : | जौनपुर, बुधवार 20 सितम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य : 2 रूपया

पीएम ने पुराने संसद भवन का नाम संविधान सदन रखने का दिया सुझाव

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सुझाव दिया कि जिस दिन सभी विधायी कार्य नए संसद भवन में स्थानांतरित हो जाएंगे, पुराने संसद भवन को ष्संविधान सदनष् के नाम से जाना जाना चाहिए। संसद के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सेंट्रल हॉल में एक समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, मेरा एक सुझाव है। अब जब हम नई संसद में जा रहे हैं, तो पुराने भवन की गरिमा कभी कम नहीं होनी चाहिए। इसे छोड़ना नहीं चाहिए। इसलिए मेरा आग्रह है कि यदि आप सहमत हैं, तो इसे संविधान सदनश के नाम से जाना जाना चाहिए। अपने 40 मिनट के संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा, 1947 में अंग्रेजों ने यहीं सत्ता का हस्तांतरण किया था, हमारा सेंट्रल हॉल उस ऐतिहासिक क्षण का गवाह है। पुराने संसद भवन में पारित किए गए कई महत्वपूर्ण कानूनों को याद करते हुए, प्रधान मंत्री मोदी ने कहा कि यहां से एकजुट होकर तीन तलाक का विरोध किया गया, शाहबानो मामले के कारण देरी हुई और आखिरकार लंबे इंतजार के बाद हमारी मुस्लिम माताओं और बहनों को इस संसद के कारण न्याय मिला, जब कानून बनाया गया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में, संसद ने भी ट्रांसजेंडरों को न्याय देने वाले कानून पारित किए हैं। हमने एकजुट होकर ऐसे कानून पारित किए हैं जो विशेष रूप से विकलांग लोगों के लिए उज्ज्वल भविष्य की गारंटी देंगे। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का अवसर मिला।" मोदी ने कहा, अब तक, लोकसभा और राज्यसभा ने 4,000 से अधिक कानून पारित किए हैं। जब आवश्यक हुआ, बिल पारित करने की रणनीति बनाने के लिए संयुक्त सत्र आयोजित किए गए। यह संसद ही थी, जिसने हमें अपनी गलतियों को सुधारने दिया और हमने तीन तलाक के खिलाफ कानून पारित किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और राज्यसभा के नेता पीयूष गोयल से बातचीत में प्रधानमंत्री ने कहा, श्आज हम नए संसद भवन की ओर बढ़ते हुए नए भविष्य का श्रीगणेश करने जा रहे हैं।श विकसित भारत के हमारे संकल्प की पुनरावृत्ति और उसे प्राप्त करने के संकल्प के साथ संसद भवन का निर्माण।"

उन्होंने कहा, संसद ने ट्रांसजेंडरों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाए। इसके साथ, हम उन्हें सम्मान के साथ रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़े। उन्होंने जोर दिया, संसद में बना हर कानून, संसद में हुई हर चर्चा, संसद द्वारा दिया गया हर संकेत भारतीय आकांक्षा को प्रोत्साहित करने वाला होना चाहिए। ये हमारी जिम्मेदारी है, हर भारतीय की अपेक्षा है। यहां जो भी सुधार हों, भारतीय आकांक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। क्या कभी कोई छोटे कैनवास पर बड़ी तस्वीर बना सकता है? जिस तरह हम छोटे कैनवास पर बड़ी तस्वीर नहीं बना सकते, उसी तरह अगर हम अपनी सोच के कैनवास को बड़ा नहीं कर सकते तो हम एक भव्य भारत की तस्वीर नहीं बना पाएंगे।" मैंने लाल किले से कहा था—यही समय है, सही समय है। अगर हम एक के बाद एक घटनाओं को देखें, तो उनमें से हर एक इस बात की गवाही देती है कि आज भारत एक नई चेतना के साथ जागृत हुआ है। भारत एक नई चेतना व ऊर्जा से भर गया है।

मां यशोदा की तरह है आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की भूमिका : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका मां यशोदा की तरह है क्योंकि उन्हें मां यशोदा की तरह बच्चों का पालन—पोषण करना होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज मंगलवार को लखनऊ में राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत 1359 आंगनवाड़ी केंद्रों और 171 बाल विकास परियोजना कार्यालयों के लोकार्पण व शिलान्यास और आंगनबाड़ी कार्यकत्री और सहायिकाओं को यूनिफॉर्म हेतु धनराशि अंतरण के कार्यक्रम में सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कुपोषित से सुपोषित श्रेणी में आने वाले बच्चों के अभिभावकों को सम्मानित किया और डीबीटी के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के खाते में 29 करोड़ की राशि हस्तांतरित की।उन्होंने कहा कि यह पोषण माह की छठवीं वर्षगांठ है। कुपोषण का परिणाम ठीक नहीं होता है। 1977 से लेकर 2017 तक प्रदेश में 50 हजार से अधिक बच्चों की मौत इंसेफलाइटिस से हुई थी। इसमें 2018 से कमी हुई। आपसी समन्वय से कुपोषण को भी समाप्त करना होगा।उन्होंने कहा मिशन मोड पर आंगनबाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ किया जाना चाहिए। सांसद, विधायक निधि और सीएसआर फंड से भी आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया जा सकता है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर बच्चों को सुपोषित के साथ शिक्षित बनाने की जिम्मेदारी है। कुपोषण किसी व्यक्ति की नहीं बल्कि समाज की लड़ाई है। सभी को मिलकर यह लड़ाई लड़नी होगी।

सुलतानपुर जिले में मुठभेड़, पुलिस ने 2 वांटेड बदमाशों को गिरफ्तार किया

एजेन्सी

सुलतानपुर। जिले में एक लड़की को चाकू से घायल कर नहर में फेंकने वाले 2 बदमाशों को पुलिस ने एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने मंगलवार को बताया कि थाना बल्दीराय निवासी करीब 19 वर्षीय लड़की दिल्ली में कार्यरत थी और वह आरोपी गौसूजमां खां के कहने पर दिल्ली से सोमवार को सुलतानपुर पहुंची थी। पीड़िता आरोपी से पहले से परिचित थी, बातों बातों में उसने आरोपी को अपनी शादी तय होने की बात बताई। इसके बाद आरोपी पीड़िता को धनपतगंज में हरौरा नहर के आगे पुल के पास ले गया और उसके गले पर चाकू से प्रहार कर उसे नहर में धक्का देकर फेंक दिया।उन्होंने बताया कि जानकारी मिलने पर पीड़िता को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धनपतगंज ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल, सुलतानपुर में पीड़िता का इलाज हो रहा है और उसकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। पीड़िता के भाई की शिकायत पर धनपतगंज थाने में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक के अनुसार पुलिस आरोपी की तलाश में थी और मंगलवार को पुलिस ने सूचना मिलने पर आरोपी की घेराबंदी की। इस दौरान आरोपी खां और उसके साथी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर गोली चलायी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोलीबारी की। इस गोलीबारी में खां तथा उसका बड़ा भाई अफरोज खां पुलिस की गोली लगने से घायल हो गए।उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बल्दीराय भेजा गया है।

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर सुनवाई फिर से शुरू की

एजेन्सी

अमरावती। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कथित कौशल विकास निगम घोटाले में न्यायिक हिरासत को रद्द करने की मांग करने वाली पूर्व सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर मंगलवार को सुनवाई फिर से शुरू की। हाइब्रिड मॉडल में सुनवाई दोपहर से पहले शुरू हुई। नायडू की ओर से पेश हुए हरीश साल्वे ने वर्चुअली अपनी दलीलें पेश की। हरीश साल्वे ने अदालत से कहा कि नायडू के खिलाफ मामला आगामी चुनावों को देखते हुए राजनीति से प्रेरित है। पिछली सुनवाई के दौरान नायडू की ओर से सिद्धार्थ लूथरा पेश हुए थे। उन्होंने नायडू की गिरफ्तारी को अवैध बताया था। जबकि, सीआईडी ने रद्दीकरण याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा था। हाईकोर्ट ने समय की अनुमति दी और सुनवाई 19 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी थी। अदालत ने विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट में सीआईडी की याचिका पर सुनवाई पर भी रोक लगा दी थी, जिसमें नायडू की हिरासत की मांग की गई थी। नायडू वर्तमान में राजमुंदरी सेंट्रल जेल में बंद हैं। तेलुगू देशम पार्टी सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि राजनीतिक प्रतिशोध के कारण वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार उन्हें निशाना बना रही है। उन्होंने अपनी न्यायिक हिरासत को रद्द करने और सीआईडी द्वारा दर्ज की गई एफआईआर को भी रद्द करने का आदेश देने की मांग की है। नायडू को इस मामले में सीआईडी ने 9 सितंबर को नंद्याल में गिरफ्तार किया था। अगले दिन विजयवाड़ा की एसीबी कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री को बाद में राजमुंदरी सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। विजयवाड़ा कोर्ट ने न्यायिक हिरासत के बजाय घर की हिरासत की नायडू की याचिका भी खारिज कर दी थी। यह मामला आंध्र प्रदेश राज्य में उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) के समूहों की स्थापना से संबंधित है, जिसका कुल अनुमानित परियोजना मूल्य 3,300 करोड़ रुपये है। उस समय राज्य के मुख्यमंत्री नायडू थे।

सीआईडी ने दावा किया था कि कथित धोखाधड़ी से राज्य सरकार को 371 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है। एजेंसी ने दावा किया था कि 371 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि, जो परियोजना के लिए सरकार की पूरी 10 प्रतिशत प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती है, निजी संस्थाओं द्वारा किसी भी खर्च से पहले जारी की गई थी। इसी बीच हाईकोर्ट ने अमरावती इनर रिंग रोड मामले में नायडू की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई 21 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सीआईडी को अपना काउंटर दाखिल करने का निर्देश दिया था। सीआईडी ने अमरावती इनर रिंग रोड मामले में 11 सितंबर को विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट में प्रिजनर ट्रांजिट (पीटी) वारंट याचिका दायर की थी।

देश के आयात में 12ः गिरावट, कुल निर्यात भी घटा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीने में भारत के कुल आयात में 12 प्रतिशत की कमी आई है। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक वाणिज्यिक आयात के 10 केंद्रों में से सिर्फ रूस और स्विट्जरलैंड से आयात बढ़ा है। भारत की रूस के कच्चे तेल पर निर्भरता बीते डेढ़ वर्ष में बढ़ गई है। इससे रूस से होने वाले आयात में वृद्धि हुई है। देश में अप्रैल—अगस्त के दौरान सालाना आधार पर वस्तुओं का आयात 86.56 प्रतिशत बढ़कर 25.69 अरब डॉलर हो गया। इस क्रम में भारत को होने वाले कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़कर 9.45 प्रतिशत हो गई जबकि यह बीते साल की आलोच्य अवधि में 4.45 प्रतिशत थी। अप्रैल—अगस्त के दौरान मूल्य के संदर्भ में देखा जाए तो रूस दूसरा सबसे बड़ा आयातक था। इसके बाद चीन था। स्विट्जरलैंड से आयात बढ़ने का प्रमुख कारण सोने की मांग में इजाफा होना था। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक जुलाई से सोने के कुल आयात में बढ़ोतरी हुई। इसका प्रमुख कारण त्योहारी मौसम का शुरू होना था। स्विट्जरलैंड से आमतौर पर सोने का आयात होता है। अप्रैल से अगस्त के दौरान भारत के कुल आयात में स्विट्जरलैंड की हिस्सेदारी बढ़कर 3.08 प्रतिशत हो गई थी जबकि एक साल पहले की आलोच्य अवधि में 2.16 प्रतिशत थी। जुलाई से अगस्त के दौरान अलग—अलग देशों के कारोबार का आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। अप्रैल—जून की अवधि में रूस से होने वाले कच्चे तेल के आयात में छूट मिलने के कारण 171 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इस अवधि में सोने के आयात में 30 फीसदी का इजाफा हुआ था जिससे इससे अवधि में स्विट्जरलैंड से होने वाले आयात में इजाफा हुआ। भारत के आयात में गिरावट आई है। शीर्ष 10 आयात साझेदारों में चीन (—4.37 प्रतिशत), यूएसए (—17.61 प्रतिशत), संयुक्त अरब अमीरात (—23.43 प्रतिशत), सऊदी अरब (—28.44 प्रतिशत), इराक (—34.77 प्रतिशत), इंडोनेशिया (—32.5 प्रतिशत), सिंगापुर (—8.93 प्रतिशत), दक्षिण कोरिया (—0.83 प्रतिशत) हैं। भारत के कुल वाणिज्यिक आयात में शीर्ष 10 देशों की हिस्सेदारी 59.3 प्रतिशत रही।

भाजपा विधायक टिकट घोटाले से निपटने के मामले में पुलिस पर उठे सवा

एजेन्सी

बेंगलुरु। मुख्य आरोपी चौत्र कुंडपुरा की गिरफ्तारी के 10 दिन बाद भी लिंगायत मठ के धार्मिक संत अभिनव हलश्री के फरार होने से भाजपा विधायक टिकट घोटाले से निपटने के विशेष विंग सीसीबी पुलिस के तरीके पर सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, साधु कोर्ट से अंतरिम जमानत लेने की कोशिश कर रहे हैं। यदि गिरफ्तारी में देरी होगी, तो स्वामीजी को जमानत मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। स्थानीय अदालत और पुलिस दावा कर रही है कि वे स्वामीजी को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। कुंडापुरा ने हिरासत में रहते हुए मीडिया के सामने बयान दिया था कि अगर स्वामीजी को गिरफ्तार किया गया, तो मामले में बड़ी हस्तियों का हाथ सामने आएगा। स्वामीजी को पकड़ने में विशेष विंग की विफलता ने सवाल उठाए है। मेडिकल रिपोर्ट और परीक्षणों से पुष्टि हुई है कि कुंडापुरा में मिर्गी के कोई लक्षण नहीं हैं। डॉक्टरों ने उसके गिरने के बाद निकले झाग को ष्नकलीष् करार दिया है। कुंडापुरा ने साबुन की एक टिकिया हासिल करने के बाद एक नाटक रचा था। कुंडापुरा के लगभग चार दिनों तक अस्पताल में इलाज किए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं, जबकि सभी मेडिकल रिपोर्ट में स्थिति सामान्य बताई गई है। वहीं पुलिस ने एक आरोपी चन्ना नाइक को मीडिया के सामने आने के बाद ही हिरासत में ले लिया है।

कुंडापुरा को एक उद्योगपति, भाजपा नेता गोविंद बाबू पुजारी को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए विधायक टिकट का वादा करके 5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कुंडापुरा से 40 लाख रुपये नकद और 1.1 करोड़ रुपये की सावधि जमा, एक एसयूवी और 23 लाख रुपये से अधिक के सोने के गहने बरामद किए थे।

पुलवामा में दुल्हन करती रही इंतजार, बारात लेकर नहीं आया दूल्हा

एजेन्सी/श्रीनगर। जम्मू—कश्मीर के पुलवामा जिले में एक दूल्हा अपनी ही शादी में नहीं पहुंचा। पुलवामा के अवंतीपोरा इलाके के कंडीजल गांव के निवासी उस समय हैरान रह गए, जब दूल्हा फैयाज अहमद अपनी शादी में नहीं आया। दुल्हन के पिता मुहम्मद शाबान, जिन्होंने अपनी बेटी की बारात के स्वागत के लिए बड़ी मुश्किल से सारी व्यवस्थाएं की थी, वह बेहद निराशा दिखे। परिवार और पड़ोसियों ने कहा कि निकाह (इस्लामिक शादी की रस्म) चार साल पहले किया गया था। फैयाज अहमद को स शबारात के साथ आना था और दुल्हन को घर ले जाना था। सात बेटियों के गरीब पिता अपनी बेटी के लिए कुछ सोना और शादी के कपड़े खरीदे थे। उन्होंने बारात के लिए वाजवान (पारंपरिक बहु—पाठ्य कश्मीरी दावत) की भी व्यवस्था की थी। बाद में परिवार को पता चला कि दूल्हा नहीं आ रहा है। स्थानीय लोगों ने कहा, मुहम्मद शाबान और उनके परिवार के लिए यह अपमान सहन करना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि यह पुलिस की सामाजिक जिम्मेदारी है।

नोएडा में मेट्रो ट्रेन के आगे कूदी युवती, एक हाथ कटा

एजेन्सी

नोएडा। नोएडा में एक युवती ने मेट्रो ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। घटना नोएडा के सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन में मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे की है।

इस घटना में युवती का एक हाथ कट गया। उसे सेक्टर—39 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे दिल्ली के एक हायर सेंटर में रेफर किया गया है।

डॉक्टरों का कहना है कि उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े नौ बजे के आसपास जानकारी मिली कि एक युवती सिटी सेंटर से दिल्ली जाने वाली लाइन पर मेट्रो के आगे कूद गई है। युवती की पहचान अनीता (19) के रूप में हुई है। युवती बरौला की रहने वाली बताई जा रही है। युवती के पास से मिले सामान की तलाशी ली गई है जिसमें सुसाइड नोट नहीं मिला है। युवती के पिता परमानंद प्राइवेट जॉब करते हैं। युवती सिटी सेंटर से दिल्ली जाने वाली लाइन पर कूदी। जानकारी मिलते ही सीआईएसएफ के जवानों ने युवती को ट्रैक से हटाया। लोकल पुलिस को सूचना दी और युवती को जिला अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान ट्रेन से टकराने की वजह से युवती का एक हाथ कट गया। इसके बाद मेट्रो स्टेशन पर हड़कंप मच गया। करीब 10 से 15 मिनट तक मेट्रो सेवा बाधित रही। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि युवती ने सुसाइड करने का प्रयास किया या फिर किसी ने उसे धकेला, सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद ये स्पष्ट होगा। ये भी देखा जा रहा है कि वो किसी के साथ स्टेशन आई थी या फिर अकेले। इसकी जांच की जा रही है। उसके मोबाइल फोन की सीडीआर भी देखी जाएगी।

आंध्र सीएम ने तिरुमाला मंदिर में की पूजा-अर्चना, रेशम के वस्त्र चढ़ाए

एजेन्सी

तिरुपति। श्रीवारी सालाकत्ला ब्रह्मोत्सवम के पहले दिन आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने राज्य सरकार की ओर से श्री वेंकटेश्वर स्वामी को पट्टू वस्त्रलु (रेशमी वस्त्र) भेंट किए। सीएम ने मंगलवार तड़के मंदिर में पूजा—अर्चना भी की। श्री बेदी अंजनेयस्वामी के मंदिर पहुंचने के बाद जगन मोहन रेड्डी तिरुमाला मंदिर की ओर रवाना हुए। पुजारियों ने मुख्यमंत्री को पट्टू वस्त्रलु भेंट करने और दर्शन करने से पहले परिवत्तम बांधा। उन्होंने पारंपरिक पोशाक में सिर पर रेशम का लबादा पहना हुआ था। सीएम ने पहले तिरुमाला मंदिर और बाद में वकुलमाता, विमान वेंकटेश्वर स्वामी, भाष्यकारला सन्निधि और योग नरसिम्हास्वामी की पूजा—अर्चना की।दर्शन के बाद वैदिक पंडितों ने श्री रंगनायकुला मंडपम में भजन गाते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने 2024 के लिए टीटीडी डायरी और कैलेंडर भी जारी किया।

लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित, कल सुबह 11 बजे शुरू होगी दोनों सदनों की कार्यवाही

एजेन्सी

नयी दिल्ली। राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही बुधवार के लिए स्थगित हो गई है। कल सुबह 11 बजे दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होगी। सरकार ने संसद के निचले, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण प्रदान करने से संबंधित ऐतिहासिक 'नारीशक्ति वंदन विधेयक को मंगलवार को लोकसभा में पेश किया। विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल ने विपक्ष के शोर—शराबे के बीच 'संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023 पेश किया। इस विधेयक को पूरक सूची के माध्यम से सूचीबद्ध किया गया था। नये संसद भवन में पेश होने वाला यह पहला विधेयक है। मेघवाल ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह महिला सशक्तीकरण से संबंधित विधेयक है और इसके कानून बन जाने के बाद 543 सदस्यों वाली लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या मौजूदा 82 से बढ़कर 181 हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके पारित होने के बाद विधानसभाओं में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि विधेयक में फिलहाल 15 साल के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है और संसद को इसे बढ़ाने का अधिकार होगा। केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि महिलाओं की आरक्षित सीट में भी अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण होगा। मेघवाल ने 2010 में महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा में पारित होने के बाद उसे लोकसभा से पारित न कराने को लेकर तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार की मंशा पर संदेह व्यक्त किया।

सम्पादकीय

अलविदा, अभिनंदन

भले ही सोमवार को देश का सबसे बड़ा लोकतंत्र का मंदिर संसद भवन पुराना संसद भवन बन गया हो, लेकिन यह भवन भारतीय संविधान की रचना से लेकर लोकतंत्र के उदय व परिपक्व हो जाने का साक्षी रहा है। सोमवार को पांच दिवसीय विशेष संसद सत्र का पहला दिन इस संसद भवन की संसदीय कार्यवाही का आखिरी दिन बना। संसद भवन में पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी से लेकर डॉ. मनमोहन सिंह तक के कार्यकाल को याद किया गया। वहीं पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद से लेकर मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तक के संबोधन का स्मरण किया गया। निस्संदेह, इस संसद भवन को देश के पंद्रह प्रधानमंत्रियों का नेतृत्व मिला। सदन ने संवाद के जरिये देश की दशा सुधारने और नई दिशा देने का गुरुतर दायित्व निभाया। एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में पिछले साढ़े सात दशक में सामूहिकता के निर्णय इसकी जीवंतता को ही दर्शाते हैं। इसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का दर्जा देते हैं। इस सदन में जनता के प्रतिनिधि आमजन के दुख–दर्द को महसूस करते हुए नये कानूनों को मूर्त रूप देते रहे। जनप्रतिनिधियों ने सामाजिक न्याय के लिये अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। जब भी देश पर कोई बड़ा संकट आया, पक्ष–विपक्ष ने एकजुट होकर उसका मुकाबला किया। निस्संदेह, पुरानी संसद का भवन देश के तमाम बदलावकारी फैसलों का गवाह रहा है। देश के आजाद होने के बाद इसको संसद भवन के रूप में चुना जाना इसके महत्व को ही दर्शाता है। कुछ आलोचक इसे ब्रिटिशकाल में बना हुआ बताते हैं। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ये भारतीयों की खून–पसीने की मेहनत व पैसे से साकार हो पाया। सही मायनों में संसद भवन महज एक भवन नहीं होता, यह देश का दिल रहा है, जो आम आदमी के लिये धड़कता रहा है। जिसकी साख को 75 साल में देश के हर राजनीतिक दल ने समृद्ध ही किया।निस्संदेह, देश का पुराना संसद भवन आजाद भारत के निर्णायक फैसलों का प्रत्यक्षदर्शी रहा है। आजादी के बाद भारत के लोकतंत्र की दिशा निर्धारित करने वाले संविधान के निर्माण का कार्य इस सदन में हुआ। इस भवन में निरंतर चलने वाली संविधान सभा की 165 बैठकों के बाद 26 जनवरी 1950 को नया संविधान अस्तित्व में आया। यह ठीक है कि व्यवस्थाओं को केंद्रित करने और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप नये संसद भवन का निर्माण हुआ है। लेकिन बेहतर होता कि इसमें देश के हर राजनीतिक दल की सक्रिय भागीदारी होती। सबको साथ लेकर चलना ही लोकतंत्र की खूबसूरती है। यह लोकतंत्र का आदर्श भी है। विपक्षी दलों के नेता कहते भी रहे हैं कि भवन बदलने के बजाय देश के हालात बदलना प्राथमिकता होनी चाहिए। बेरोजगारी, महंगाई व सामाजिक न्याय प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकार का नजरिया समावेशी होना चाहिए। निस्संदेह, देश में बढ़ती आबादी व संसदीय क्षेत्रों के विस्तार के बाद अधिक सासंदों के लिये नये भवन की जरूरत अपरिहार्य ही है। यह अच्छी बात है कि नये भवन में बेहतर सहूलियतें व नई तकनीक से सांसदों की कार्यक्षमता को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन ये निर्णय एकांगी राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के वाहक नहीं होने चाहिए। किसी दल विशेष को भी इसका श्रेय नहीं लेना चाहिए। महत्वपूर्ण यह होगा कि नये संसद भवन का कार्य समावेशी भाव से अधिक जनहितकारी हो। खासकर नई संसद का छोटा सत्र खास मूल्यवान साबित हो सके। साथ ही उन गौरवशाली परंपराओं का विस्तार हो, जो पुराने सदन में दशकों से चली आ रही थीं। इस सदन में लोकतंत्र के उत्सव व उमंग का भाव बना रहे। भारतीय लोकतंत्र की गौरवशाली विरासत का विस्तार निरंतर जारी रहे। यह जन–भावनाओं की अभिव्यक्ति का मंच बना रहे। जिससे यह देश दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र होने को सार्थक कर सके। साथ ही वैश्विक चुनौतियों से मुकाबला करने का दमखम भारतीय लोकतंत्र को देने में सक्षम हो। वहीं यह देश के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की मुखर आवाज भी बना रहे। जो इसके प्रति अपने मन में सदैव लोकतंत्र के मंदिर जैसा श्रद्धाभाव बनाये रखे।

आज का राशी फल

मेष :– किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में ब्यस्तता से मन बोझिल होगा। निराशा त्याग मन को आशावादी विचारों से सिंचित करें। किसी महत्वपूर्ण क्षेत्र में सगे–संबंधियों का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कार्य क्षमता का लाभ मिलेगा।

बृषभ :– भौतिक आकांक्षाएं बलवती होंगी। राजनीति से जुड़े लोगों की क्रियाशीलता बढ़ेगी। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें। खराब संगत से दूरी बनाकर रखें।

मिथुन :– महत्वपूर्ण घरेलू दायित्वों की पूर्ति हेतु मन में चिंता संभव। कायरे की अत्याधिक व्यस्तता से मन बोझिल होगा। पारंपरिक कायरें में व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन साथी से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

कर्क :– क्रोध व शंकाए छोड़ संबंधों में प्यार बिखेरेंगे। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। क्षमता से अधिक व्यय भविष्य के लिए चिंता उत्पन्न करेगा। किसी नये कार्य की ओर मन केंद्रित होगा। घर में खुशहाल स्थिति रहेगी।

सिंह :– जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय लेकता है। जीवन साथी के साथ मधुरता बनायें।

कन्या :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक होगा किंतु प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढाएंगी। परिवार में सुखद माहौल बनेगा। जरूरी कायरे को समय से करें।

तुला :– हर समय स्वयं को लाचार बनाये रखना अच्छा नहीं है। समय का पूर्ण उपयोग करें और स्वयं को सकारात्मक दिशा की ओर केंद्रित करें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वृश्चिक :– शासन–सत्ता के सहयोग से कार्यक्षेत्र के अवरोध समाप्त होंगे। तामसी व गैर सांस्कारिक कायरे की ओर आकर्षित मन पर अंकुश लगाने का प्रयास करें। जरूरी कायरे को समय से पूर्ण करने का प्रयास करें।

धनु :– कोई नई योजना उत्साहित करेगी। भौतिक जगत की चकाचौंध प्रभावित होंगे। रोजगार से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। व्यवहारकुशलता द्वारा मान–मर्यादा बढ़ेगी।

मकर :– कुछ बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग सगे–संबंधियों में कटुता ला सकता है। नैतिक जिम्मेदारियों में सजगता काबिले तारीफ होगी। पूर्वाग्रहवश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मकता को कतई न पाले।

कुंभ :– अपनी दिनर्चया को सुधार समय का पूर्ण उपयोग करें। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन में चिंता होगी। पारिवारिक जरूरतों की पूर्ति हेतु साधनाभाववश मन चिंतित होगा। मधुर वाणी से संबंधों में प्रभावशाली होंगे।

मीन :– भौतिक सुख–साधनों की ओर मन आकर्षित होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ नई प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी। परिश्रम द्वारा मिल रहे नये अवसरों का भरपूर लाभ उठा पाएंगे।

भारत-कनाडा की व्यापार वार्ता

आदित्य नारायण

भारत और कनाडा के सम्बन्ध पारंपरिक तौर पर मधुर रहे हैं परन्तु पिछले कुछ समय से कनाडा में जिस तरह की भारत विरोधी गतिविधियां प्रकाश में आयी हैं उन्हें देखते हुए इस देश की सरकार को सावधान होकर दौत्य सम्बन्धों की मिठास बरकरार रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए थे, मगर दुर्भाग्य से इसमें कोताही देखी गई। भारत लगातार कनाडा सरकार को इस बारे में सचेत करता रहा परन्तु फिर भी भारत विरोधी तत्व किसी न किसी रूप में सक्रिय दिखाई दिये और इस हद तक सक्रिय रहे कि उन्होंने इस देश की राजधानी ओटावा में भारतीय उच्चायोग कार्यालय तक को भी नहीं बख्शा। जी–20 देशों के सम्मेलन में भाग लेने कनाडा के प्रधानमन्त्री श्री जस्टिन ट्रूडो आये थे और उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की थी। मगर इससे पहले ही कनाडा का मीडिया यह खबर दे रहा था कि भारत के साथ होने वाली व्यापार समझौते की वार्ता को कनाडा ने आगे के लिए टाल दिया है। कनाडा और भारत के वाणिज्यिक सम्बन्ध बहुत घनिष्ठ माने जाते हैं और इस प्रकार के हैं कि कनाडा को भारत का निर्यात उससे आयात से कुछ अधिक है।दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ने के बावजूद शुल्क मुक्त व्यापार वार्ता तन्त्र को फिलहाल भारत ने ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इसकी वजह यही मानी जा रही है कि दोनों देशों के बीच कुछ राजनैतिक मुद्दों

पर असहमति है। मसलन कनाडा में पिछले महीनों में मन्दिरों पर हमला करने की घटनाएं प्रकाश में आयी और खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियां भी चर्चा का विषय बनीं। हालांकि कनाडा में प्रवासी भारतीयों की संख्या कम नहीं है और यही वजह है कि वहां की राजनीति में इन प्रवासी भारतीयों की शिरकत भी खासी है और भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक उसकी सरकार में मन्त्री तक हैं। कनाडा एक लोकतान्त्रिक देश है जहां भारतीयों ने कई दशकों पहले से ही जाना शुरू किया और वहां की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान भी दिया। मगर खालिस्तान समर्थकों को परोक्ष रूप से यहां बल भी मिलता रहा। भारत इस तरफ कनाडा सरकार का ध्यान खींचता रहा है और समय–समय पर अपना कड़ा विरोध भी दर्ज कराता रहा है। वास्तव में खालिस्तान समर्थकों का कनाडा में सक्रिय रहना द्विपक्षीय आपसी मधुर सम्बन्धों में कड़वाहट पैदा करता रहा है। विगत जुलाई महीने में ही भारत ने नई दिल्ली स्थित कनाडा के राजदूत को बुला कर इस सम्बन्ध में उन्हें कड़ा विरोध पत्र दिया था और अपेक्षा की थी कि वहां की सरकार इस बारे में आवश्यक कार्रवाई करेगी परन्तु स्थिति में सुधार न होता देख भारत ने दोनों देशों के बीच चल रही मुक्त शुल्क समायोजित सघन व्यापार वार्ता को टालने का निश्चय किया और तय किया कि जैसे ही ये समस्याएं सुलझ जायेंगी वैसे ही पुनः व्यापार वार्ता शुरू कर दी जायेगी।भारत कनाडा का दसवां सबसे बड़ा कारोबरी साझीदार है। विगत वित्त वर्ष 2022–23 में भारत ने कनाडा को 4.10 अरब डालर के मूल्य का निर्यात किया और 4.05 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का आयात किया। जबकि इससे पिछले वर्ष में निर्यात 3.76 अरब डालर का था और आयात 3.13 अरब डालर का था। इस प्रकार भारत के पक्ष में ही व्यापार सन्तुलन रहता है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कनाडा में सर्वाधिक प्रवासी भारत के पंजाब राज्य से हैं जिन्होंने यहां जाकर अपनी कड़ी मेहनत से इस देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया है। इसके साथ ही कनाडा में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए भी भारत से युवा विद्यार्थी बड़ी संख्या में जाते हैं परन्तु श्री मोदी ने जब जी–20 सम्मेलन के अवसर पर कनाडा के प्रधानमन्त्री श्री ट्रूडो के साथ बातचीत की तो स्पष्ट कर दिया कि उनके देश में भारत विरोधी गतिविधियां जारी हैं जिन्हें तुरन्त रोका जाना चाहिए। इस बातचीत के बाद भी भारत की तरफ से बहुत सख्त वक्तव्य जारी किया गया था। कनाडा में सक्रिय चरम व उग्रपंथी भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़काने का काम करते हैं और राजनयिक आवासों तक को निशाना बनाने से नहीं चूकते हैं। भारत ने कहा था कि ऐसे तत्वों की सांठगांठ संगठित अपराधी गिरोहों और नशीले पदार्थों के अवैध काराबारियों तक से हैं। अतः कनाडा को भी इस बारे में चिन्तित होना चाहिए।प्रधानमन्त्री ने साफ कर दिया था कि दोनों देशों के सम्बन्ध लोकतन्त्र और इसके तहत कानून का शासन जैसे साझा सिद्धान्तों पर टिके हुए हैं।

इसके साथ ही दोनों देशों के लोगों के बीच भी गहरे सम्बन्ध हैं। मगर दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता रुक जाने की मूल वजह भी यही है कि कनाडा अपने यहां उग्र व चरमपंथी तत्वों की नाक में नकेल डालता दिखाई नहीं पड़ रहा है। जिस वजह से भारत को कूटनीतिक सख्ती दिखाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। भारत कनाडा को हीरे–जवाहरात व गहनों के अलावा कपड़ा, औषधियां, तैयार परिधान, इंजीनियरिंग या मैकेनिकल कलपुर्जे, कार्बनिक रसायन व स्टील का सामान निर्यात करता है और दालें, अखबारी कागज, एस्बेस्टोज, लौह कतरन, पोटाश, ताम्बा, खनिज व औद्योगिक रसायन आयात करता है। इसे देखते हुए दोनों देशों के बीच आयात–निर्यात जरूरी वस्तुओं का ही होता है। व्यापार वार्ता की शुरुआत विगत मार्च महीने में हुई थी और इसके कई दौर पूरे भी हो चुके थे।

इतिहास से कटने और अलग दिखने की कवायद

देश के ऐतिहासिक संसद भवन में बुलाये गये अंतिम सत्र का पहला व आखिरी दिन अनुमानों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का श्वन मैन शोश ही रहा। सत्र प्रारम्भ होने के पहले मीडिया के समक्ष जिस प्रकार से मोदी ने सकारात्मक नोट से अपनी बातें प्रारम्भ कीं तथा लोकसभा के भीतर अपने उद्बोधन में भी कुछ अच्छी बातें करके लोगों को कुछ समय के लिये चकित किया, उससे लगा कि मोदी भारतीय लोकतंत्र की गौरवशाली परम्परा का निर्वहन करते हुए यहां से बिदाई चाहते हैं। होना वही चाहिये था परन्तु अपनी तासीर के मुताबिक उन्होंने वे नकारात्मक बातें भी आखिरकार कह ही डालीं जो कम से कम ऐसे मौकों पर नहीं कहनी चाहिये थीं। बहरहाल, करीब 100 वर्ष पुराना यह संसद भवन, जो महान नेताओं के भाषणों, चर्चाओं, आरोप–प्रत्यारोपों, स्पष्टीकरणों, बयानों, अविश्वास प्रस्ताव लाने और विश्वास मत जीतने, प्रधानमंत्री समेत विभिन्न मतों की सरकारों के बनने व गिरने की अनेकानेक गाथाएं लेकर हमेशा के लिये बन्द हो रहा है। यह भी देखना होगा कि आगे इस भवन का इस्तेमाल किस तरह से मोदी सरकार करती है क्योंकि उनकी विचारधारा के विपरीत वैचारिकी व सैद्धांतिकी का प्रवर्तन करने वाली सारी इमारतों को वे ऐसा रूप देना चाहते हैं कि इतिहास उनका पीछा

छोड़ दे। यहां का सारा माल–असबाब अब नये संसद भवन में तो चला जायेगा लेकिन देखना होगा कि क्या नया संसद भवन लोकतंत्र को वैसा ही मजबूती प्रदान करेगा, जैसा इस भवन के दोनों सदनों– लोकसभा व राज्यसभा ने किया है? देखना यह भी होगा कि क्या प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थापित असहमति के भी सम्मान की उज्ज्वल परम्परा का निर्वाह नयी संसद कर पायेगी? हालांकि पिछले 9 वर्षों से अधिक समय से देश तो असहमति के कुचलने के ही दृष्टांतों का साक्षी रहा है– संसद के भीतर ही नहीं बल्कि बाहर भी। लोकसभा का चुनाव अगले साल के मध्य में निर्धारित है। मोदी इसके पहले ऐसा भवन बनवा लेना चाहते थे जिस पर उनका नाम ऐसा लिखा हो जो मिटाया न जा सके। सम्भवतरू इसलिये कोरोना के वक्त इसका शिलान्यास हुआ और ढाई–तीन वर्षों की रिकार्ड गति से इसे पूरा कर लिया गया। यह वही समय था जब असंख्य लोग कोविड–19 की पहली और दूसरी लहर की चपेट में आकर आक्सीजन, एंबुलेंसों, अस्पताल में बिस्तरों की कमी से परेशान थे। श्मशान घाटों में लम्बी कतारें लगी थीं और मृत शरीर या तो नदियों में बहाये जा रहे थे अथवा नदी किनारे रेतों में दबाये जा रहे थे। दुनिया भर में जब सारी सरकारें अपने सारे वित्तीय संसाधनों का इस्तेमाल लोगों के बचाने में कर रही थीं, मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट सेंट्रल विस्टा निर्बाध रूप से साकार हो रहा था। संसद लोगों के लिये होती है परन्तु यह भवन लोगों की जान की परवाह किये बगैर पूरा हो रहा है जिसमें प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में बैठने का गौरव मोदी मंगलवार को प्राप्त करेंगे। एक धर्मनिरपेक्ष देश की सर्वोच्च पंचायत का उद्घाटन एक धर्म विशेष के आराध्य की पूजा–अर्चना के साथ होना साफ संदेश है कि मोदी एक धर्म विशेष को वरीयता देते हैं। सबसे अच्छी बात यह होती कि इसमें सभी धर्मगुरु आमंत्रित होते। ऐसा हो तो बहुत अच्छा है। मोदी ने आश्चर्यजनक ढंग से ऐसे अनेक नामों का उल्लेख किया जिनका उच्चारण करने से वे कतराते हैं या उनकी सार्वजनिक आलोचना करते हैं। ऐसे लोगों में कांग्रेस के प्रधानमंत्रीगण नेहरू व लालबहादुर शास्त्री से लेकर मनमोहन सिंह तक शामिल हैं। उन्होंने संसद भवन की महत्ता व शक्ति को अनेक सन्दर्भों एवं उदाहरणों से स्थापित तो किया परन्तु यह समझाने में वे असफल रहे कि अगर यह भवन इतना महत्वपूर्ण है तो उसे छोड़कर नया भवन क्यों अपनाया जा रहा है जबकि सच्चे लोकतांत्रिक देशों के सांसद अपनी ऐतिहासिक इमारतों में ही बैठकर जनसेवा करते हैं। उनका बार–बार यह कहना कि नये भवन में नयी ऊर्जा, नये संकल्पों और नये विश्वास के साथ काम होगा, कहीं से इतने बड़े निर्णय को तर्कसंगत नहीं ठहराता क्योंकि ऊर्जा, संकल्प और विश्वास का सम्बन्ध तो मन से है। भला सीमेंट और सरियों से बनी इमारत से उसका क्या लेना–देना है? आखिरकार वर्ष 1947 में 14 व 15 अगस्त की रात को नेहरू ने जो अपना महान भाषण शनियति से साक्षात्कारश (ट्रिस्ट विद डेस्टिनी) को पढ़ा था, वह भी तो अंग्रेजों की बनवाई इसी इमारत के इसी हाल में पढ़ा था जहां खुद मोदी ने 9 वर्षों से अधिक शासन किया और कई फैसले लिये हैं। यह अलग बात है कि वे सारे असफल सिद्ध हुए जिन्होंने देश को बदहाल व विभाजित ही किया है। सम्भवतः अपनी इन्हीं नाकामियों से पीछा छुड़ाने के अलावा इतिहास से खुद के साथ तमाम भावी पीढ़ियों को काटने के लिये मोदी नयी इमारत का रुख कर रहे हैं। शायद यह भवन उन्हें उदात्त लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय मर्यादाओं की बारम्बार याद दिलाता होगा। भारत के जिन महान आदर्श पुरुषों की वे आलोचना करते हुए भी उनके समकक्ष होना चाहते हैं, उन्होंने मोदी को इस भवन की चारदीवारियों के बीच सहज नहीं होने दिया होगा। इतिहास से वे अलग दिखना चाहते हैं, इसलिये वे इससे बचकर अपने लिये अलग शरणस्थली निर्मित कर चुके हैं, जहां दूसरे दिन की कार्रवाई होगी, इस सत्र के तहत 22 सितम्बर तक होगी और आगे भी होती रहेगी। शायद मोदी सोचते होंगे कि नये भवन में जाने से इतिहास नये सिरे से लिखा जायेगा जिसमें उनकी नापंसदगी के लोग व घटनाएं नहीं होंगीं और अकेले वे ही होंगे, तो वे भूल कर रहे हैं। पते बदल जाने से इतिहास नहीं बदलता।

सनातन धर्मः मद्रास हाईकोर्ट का संदेश

सत्य, अहिंसा, त्याग और परोपकार सनातन धर्म के मूलमंत्र हैं। समाज को समरस बनाने में सनातन धर्म की बहुत बड़ी भूमिका है। सनातन धर्म हमें प्रत्येक वस्तु, व्यक्ति में परमात्मा के दर्शन करने की शिक्षा देता है। सनातन धर्म कहता है कि गलतियां करें तब भी सच्चे मन से कोशिश करं कि फिर उन्हें न दोहरायें। सनातन धर्म सिर्फ एक धर्म नहीं अपितु जीवन जीने का एक योजनाबद्ध क्रम, कला व तरीका है। मनुष्य के पूरे जीवन के हर पड़ाव में क्या–क्या योजनाएं व संस्कार निहित हैं, सब बातों का क्रमबद्ध ज्ञान सनातन धर्म हमें सिखाता है। सनातन धर्म उच्च आचरण के साथ–साथ मनुष्य को जीवन जीने की सभ्यता के विशेष मार्ग का दर्शन करता है। सनातन धर्म हमें सिखाता है कि कैसे एक राम सामान पुत्र अपने पिता के वचन का पालन करने के लिए समस्त भौतिक राज–पाट, सुख–सुविधाओं का त्याग करके चौदह वर्ष के लिए एक वनवासी का जीवन समाज कल्याण के लिए व्यतीत करता है। सनातन धर्म का पालन एक कठिन तपस्या है, जिसके मार्ग पर चलकर व्यक्ति केवल स्वयं के बारे में नहीं अपितु विश्व कल्याण के बारे में सोचता है और उसी हिसाब से आचरण करता है। सनातन धर्म किसी भी प्रकार से छोटा–बड़ा और ऊंच–नीच के भेदभाव को नहीं मानता। तमिलनाडु के युवा और खेलमंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म विरोधी बयान के बाद विवाद खड़ा हो गया और सनातन को लेकर जोरदार चर्चा शुरू हो गई। कुछ ऐसी ही भाषा पधेरियार भी बोलते थे जिन्होंने 1925 में तमिलनाडु के कांग्रेसी आंदोलन में ब्राह्मण वर्चस्व के विरोध में कांग्रेस को छोड़ दिया था। पेरियार छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ थे। सामाजिक न्याय शब्द सही मायने में पेरियार के आंदोलन से ही उभरा था। सनातन धर्म को लेकर जारी विवाद के बीच मद्रास हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि सनातन धर्म शास्वत कर्त्तव्यों का समूह है जिसमें देश के प्रति कर्त्तव्य, राजा का कर्त्तव्य, राजा के जनता के घ्प्रति कर्त्तव्य, माता–पिता और गुरुओं के प्रति कर्त्तव्य और गरीबों की देखभाल और कई अन्य कर्त्तव्य हैं। कोर्ट ने कहा कि जब धर्म को लेकर कोई टिप्पणी की जाती है तो उसमें ध्यान रखना चाहिए कि उससे किसी की भावनाएं आहत नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि श्ऐसा मान लिया गया

है कि सनातन धर्म सिर्फ जातिवाद और छुआछूत को बढ़ावा देता है। जिस देश में सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले हुए हैं, वहां छुआछूत को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। संविधान में छुआछूत को समाप्त किया गया है और यह लोगों का मौलिक अधिकार है।हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता एलानगोवन के तर्कों का हवाला देते हुए कहा कि सनातन धर्म में कहीं भी छुआछूत का जिक्र नहीं है और ना ही यह इसका समर्थन करता है और हिंदू धर्म में सभी को समान माना जाता है लेकिन समय के साथ जब धार्मिक कर्मकांड आगे बढ़ते हैं तो उसमें कुछ बुराइयां आ जाती हैं और यह फसल में उगी खरपतवार जैसी हैं लेकिन इन बुराइयों को खत्म करने के लिए पूरी फसल को क्यों काटना चाहिए?हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि संविधान में बोलने की आजादी मिली हुई है लेकिन बोलने की आजादी नफरत में नहीं बदलनी चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता घृणित भाषण नहीं हो सकती। यदि इसे नजरंदाज किया जाता है तो किसी भी बहस की दिशा पटरी से उतर जाएगी और इसके पीछे का उद्देश्य अपना महत्व खो देगा। अभियव्यक्ति की स्वतंत्रता निष्पक्ष और स्वस्थ सार्वजनिक बहसों को प्रोत्साहित करती है तो इससे समाज को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। जो कुछ भी चल रहा है उस पर चिंता व्यक्त करते हुए न्यायालय इस पर अपने विचार व्यक्त करने से खुद को रोक नहीं सकता। सनातन धर्म पर विवाद निरर्थक है और इस पर नई पीढ़ी को भी विचार करना चाहिए।

हम इंसान अकेले जीवन बिताने के लिए पैदा नहीं हुए है

अगर शाम के 5 बज रहे होते तो वह सिर्फ एक ही जगह पाए जाते। पास के मंदिर में, जहां मुख्य देवता शिव थे, लेकिन अन्य छोटे गर्भगृह भी थे जहां अन्य देवताओं की भी पूजा होती। अगर घर पर किसी जरूरी काम से उन्हें बुलाना होता, तो मुझे ही मंदिर भेजते। मेरी नानी हमेशा शिकायत करती कि जरूरत के वक्त वह कभी घर पर नहीं होते और उन्हें लगता है कि गांव का मंदिर सिर्फ उनके कारण ही साफ रहता है। और वह सही थीं। अगर आप उस समय मंदिर जाते तो वह कुएं से पानी निकालते हुए और उन तीन–चार सफाईकर्मियों की मदद करते दिख जाते, जो कि छोटे–बड़े सभी गर्भगृह का बाहरी फर्श धो रहे थे। वो जगह उस बड़े मंदिर की चारदीवारी के चारों ओर लगे घने पेड़ों की पत्तियों और पक्षियों की बीट से अक्सर पुरी रहती। उनके सुबह और शाम के क्रियाकलाप में इकलौता यही अंतर होता कि वह सुबह के समय पानी से मंदिर का बाहरी हिस्सा नहीं धोते क्योंकि शाम 6 बजे से सूर्योदय तक पेड़ों पर पक्षी विश्राम करते। उनको देखकर कई लोग उनका हाथ बंटाते, लेकिन वे लोग मंदिर आने में अनियमित होते थे। मेरा भरोसा करें, वो उनका रोज का काम नहीं था, लेकिन यह लोगों को साथ आकर मदद करने के लिए प्रेरित करने का एक तरीका था। और उस दौरान वे लोग बातें करते, हंसते और कभी–कभी तो रात्रिभोज के बाद घर के वरांडा में गप्पें जारी रहतीं। नानी की लाख शिकायतों के बावजूद वह कान बंद करे रहे और नियमित तौर पर मंदिर जाते। जब मैंने काम शुरू किया, तो बाद के वर्षों में के. वी. साइमन नाम का मेरा एक दोस्त था। वह अमेरिकन होटल एंड मोटल एसोसिएशन का भारत में प्रतिनिधि था और मुंबई, अंधेरी स्थित वर्सोवा में रहता। वह रविवार का दिन चर्च के अलावा और किसी काम में नहीं बिताता। हर इतवार बिना भूले वह चर्च के सारे प्रशासनिक काम करता और रिकॉर्ड दुरुस्त रखता। हालांकि उन दिनों ये पागलपन भरा काम लगता, पर उनके लिए वह सामुदायिक निर्माण का अभ्यास था और दोनों ने स्वैच्छिक योगदान (वॉलेंटियरशिप) को खासा महत्व दिया। मुझे लगता है कि वे कभी अकेलेपन से नहीं जूझे। पारंपरिक तौर पर सामुदायिक निर्माण का काम– अमेरिका–यूरोप जैसे देशों में भी– स्थानीय चर्च या दूसरे आस्था का केंद्र करते हैं, पर देवालयों में लोगों की कम उपस्थिति से एक गैप आ गया है और 'अकेलापन' नाम की नई बीमारी धीरे–धीरे दुनिया में गति पकड़ रही है, खासतौर पर बुजुर्गों में। विकसित देशों को हमारी तुलना में यह जल्दी समझ आ गया है क्योंकि उनके शोधकर्ताओं ने पाया कि अकेलेपन का स्ट्रोक, हृदय संबंधी बीमारियां, डिमेंशिया और इंफ्लामेशन से संबंध है और कभी–कभी लोग आत्महत्या जैसे कदम उठा लेते हैं।

केनरा बैंक द्वारा वृहद स्वयं सहायता समूह ऋण महोत्सव आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक द्वारा वृहद स्वयं सहायता समूह ऋण महोत्सव बुद्धा रिसर्च इंस्टीट्यूट विपिन खंड गोमती नगर लखनऊ में आयोजित किया गया। शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं केनरा बैंक के संस्थापक श्री अम्मेंबल सुब्बाराव पाई को पुष्प अर्पित कर किया गया ५ साथ ही सरस्वती वन्दना का गायन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आलोक कुमार अग्रवाल महाप्रबंधक ,केनरा बैंक ने की तथा कार्यक्रम में ,उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्टेट मिशन मैनेजर मोहम्मद मुस्तफा , केनरा बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ के उपमहाप्रबंधक लोकनाथ , क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ १ के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अमित कुमार अस्थाना तथा क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ २ के क्षेत्रीय प्रमुख श्री वेद प्रकाश ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम में केनरा बैंक द्वारा 500 से अधिक स्वंय सहायता समूहो को 7.50 करोड़ से अधिक ऋण राशि की स्वीकृति प्रदान की गई । इससे 5000 से अधिक महिलाये लाभान्वित हुई। बड़ी संख्या में स्वंय सहायता समूह सदस्यो ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया । अपने स्वागत सम्बोधन में केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के सहायक महाप्रबंधक अमित कुमार अस्थाना ने कहा स्वयं सहायता समूहों की अवधारणा एकता, दृढ़ संकल्प और सामूहिक विकास की भावना का प्रतीक है। इन समूहों ने न केवल अपने सदस्यों के जीवन में सुधार किया है, बल्कि अपने समुदाय में दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बने हैं।

केनरा बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ के उपमहाप्रबंधक श्री लोकनाथ ने पंचसूत्रों की विस्तृत व्याख्या की तथा स्वयं सहायता समूहों को पंचसूत्र पालन करने हेतु प्रेरित किया, इसी क्रम में उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के साथ अपने कार्यानुभव भी साझा किये।

क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ २ के सहायक महाप्रबंधक वेद प्रकाश ने कहा कि छोटे व्यवसाय शुरू करने से लेकर कृषि पद्धतियों में सुधार करने तक, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओ ने दिखाया है कि महिलाएं जब एकजुट हो जाएँ तो अविश्वसनीय परिवर्तन संभव हैं।

इस अवसर पर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्टेट मिशन मैनेजर मोहम्मद मुस्तफा ने समूहो को बैंकिंग आदतों मे सुधार करने तथा ससमय बैंक ऋण अदायगी से होने वाले फायदों के बारे मे जानकारी दी ।

कार्यक्रम के अध्यक्ष केनरा बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ के महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार अग्रवाल ने उपस्थित लगभग 300 महिलाओं को छोटे बिजनेस शुरू करके उन्हे बड़ा बनाने के गुर सिखाये तथा कहा कि समाज का वित्तीय हृदय होने के नाते केनरा बैंक सदैव ही समाज की उन्नति का भागीदार रहा है ,और आज का कार्यक्रम हमारी इसी परम्परा की एक कड़ी मात्र है। उन्होने कहा कि केनरा बैंक पात्र स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता उप्लब्ध कराने के लिये हमेशा तत्पर है।

केनरा बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ के मण्डल प्रबन्धक अश्वनी कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम पूर्ण हुआ।

पत्रकारों के हित रक्षण को समर्पित है सूचना विभाग

संवाददाता

लखनऊ। सूचना निदेशक शिशिर कुमार ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय बिना किसी भेदभाव के यूपी के समाचार पत्र पत्रिकाओं एवं पत्रकारों के हित रक्षण के प्रति समर्पित है। सूचना निदेशालय में उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के एक प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात के दौरान पत्रकारों की समस्याओं पर बोलते हुए श्री शिशिर ने उक्त बातें कहीं। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल में श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी, महामंत्री रमेश शंकर पांडेय, रविंद्र सिंह, लक्ष्मीकांत पाठक, चंद्रदेव अवस्थी, कृष्णा तिवारी, रवि सिंह, अली हसन, चंद्रप्रकाश चौरसिया, राकेश सिंह, संदीप कश्यप, केशव कुमार पांडेय, अनुराग शुक्ल, कोमल पत्रकार, रूबा खान, निधि मिश्रा आदि विभिन्न जिलों के पत्रकार शामिल थे।

यूपी के कई इलाकों में आज होगी भारी बारिश, अगले 4 दिनों तक सिलसिला रहेगा जारी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले सप्ताह भारी बारिश हुई। इसके बाद बारिश का सिलसिला कम हो गया और भीषण गर्मी से लोगों का बुरा हाल हो गया। इसी बीच मौसम विभाग ने एक बार फिर प्रदेश में बारिश होने की संभावना जताई है। विभाग के मुताबिक आज 20 सितंबर को एक या दो स्थानों पर हल्की और कुछ जगहों पर आकाशीय चमक के साथ भारी बारिश होगी। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक आज राज्य के कुछ स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। पूर्वी यूपी में एक या दो स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ आकाशीय चमक होने की संभावना है। पश्चिमी यूपी में आज का मौसम शुष्क ही रहेगा। वहीं 21 सितंबर से पश्चिमी यूपी मेंकुछ स्थानों पर और पूर्वी यूपी में कुछ स्थानों पर बारिश गरज के साथ बारिश होगी। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से हुई बारिश से लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसके किसानों की फसलों का भी भारी नुकसान हुआ। बारिश से धान के किसानों की कमर टूट गई है। वहीं सब्जियों की फसल को भी भारी नुकसान हुआ है। बारिश के चलते जगह—जगह जलभराव हो गया। इस अतिवृष्टि से धान, ज्वार, मक्का व सब्जियों की खेती को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, तो वहीं बारिश से जिले में नदियां उफान पर हैं। तमाम खेतों में अभी भी फसलें डूबी हुई हैं, जिससे अब फसलें सड़ने लगी हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के रामपुर, बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, कुशीनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, देवरिया, बलिया, गोंडा, मऊ, आजमगढ़, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशांबी, चित्रकूट, बांदा, प्रयागराज, संत रविदास नगर, मिर्जापुर, जौनपुर, सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी और गाजीपुर में बारिश होने की संभावना है।

सनातन धर्म की रक्षा को लेकर दर्जनों संगठनों ने भरी हुंकार

संवाददाता

लखनऊ। सनातन धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग करते हुये विभिन्न संगठनों ने एक स्वर में हुंकार भरते हुये सनातन भारत मंच की घोषणा की है। अखिल भारत हिन्दू महासभा कार्यालय कुर्सी रोड पर बैठक में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस मंच के माध्यम से सनातन धर्म को लेकर द्वेष की भावना पैदा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही के लिये न सिर्फ लड़ाई लड़ी जायेगी बल्कि हिन्दू समाज को सनातन धर्म के प्रति जागरूक करने का काम किया जायेगा। हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के आह्वान पर विभिन्न संगठनों संयुक्त उद्योग व्यापार मण्डल, अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद, हिन्दू सेना, राष्ट्र रक्षा वाहिनी, जय बजरंग सेना, जनविकास महासभा, उत्तर प्रदेश, शोभा फाउण्डेशन, भारतीय सर्वजन संगठन, कपूरथला व्यापार संघ, मंगल फाउण्डेशन, भारतीय ब्राहामण एकता फाउण्डेशन, हिन्दू समाज पार्टी, प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मण्डल, बहुजन अवाम पार्टी, हिन्दू जन जागृति समिति, बाबा विष्वनाथ सवलीन ध्यान समिति, संस्कृत संघ, महावीर सेवी संघ, ब्राह्मण परिवार, राधा कृष्ण मन्दिर समिति, सवर्ण महासभा, आजाद भारतीय किसान यूनियन आदि के प्रतिनिधि सम्मिलित हुये। इस मौके पर हिन्दू महासभा।

राज्यपाल ने किया गोरखपुर में आंगनबाड़ी केन्द्रों हेतु 100 किटों का वितरण

गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित संस्थागत प्रसव के लिए जागरूक करें : आनंदीबेन

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने दो दिवसीय गोरखपुर भ्रमण कार्यक्रम में आज दूसरे दिन जनपद के विकास खण्ड जंगल धूसड़ के आंगनबाडी केन्द्र बड़ी रेतवहिया का निरीक्षण कर 100 आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों को आंगनबाड़ी किट का वितरण करने के साथ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सम्बोधित किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों की सभी गतिविधियाँ शत—प्रतिशत संचालित हों। आँगनबाड़ी कार्यकत्री गर्भवती महिलाओ को सुरक्षित संस्थागत प्रसव के लिये लगातार जागरूक करे उन्हें यह भी समझाएं की प्रसव के एक घन्टे के भीतर बच्चों को माँ का दूध जरूर पिलायें क्योंकि माँ का दूध नवजात बच्चों के लिये अमृत के समान होता है। राज्यपाल ने कहा कि बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिये पोषण माह का अभियान चलाना पड़ता है, यदि महिलाएं तथा आमजन लोग जागरूक हो जाय तो पोषण अभियान चलाने की आवश्यकता नहीं होगी। आंगनबाड़ी कार्यकत्री महत्वपूर्ण भूमिका का निवार्हन कर सकती है। आंगनबाड़ी केन्द्रों से मिलने वाले पुष्टाहार से गर्म भोजन बनाकर कुपोषित बच्चों को खिलाकर उनके कुपोषण को खत्म किया जा सकता है। इसके लिये भी महिलाओं को जागरूक करना होगा। कार्यक्रम में बच्चों की शिक्षा पर चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि 2020 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा की, जिसमें मातृभाषा में शिक्षण पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कक्षा 01 से 05 तक बच्चों की शिक्षा मातृ—भाषा में हो, क्योंकि ये अवस्था संस्कार और स्वास्थ्य के लिये महत्वपूर्ण है। बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए समय—समय पर आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच भी हो। हम सभी का प्रयास यह भी हो कि योगा सहित अन्य गतिविधियों को भी केन्द्रों पर सिखाया जाये। जिससे की बच्चों का सर्वांगीण विकास हो। आंगनबाड़ी केन्द्र पर राज्यपाल जी ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम का अवलोकन किया और उनका उत्साहवर्द्धन किया। मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यक्रम में बाल विकास विभाग के कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी कृष्णा करूणेश, एसएसपी डा गौरव ग्रोवर सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

मुलायम ने तेरह वर्ष पहले की थी महिला आरक्षण बिल की खिलाफत

संवाददाता

लखनऊ। महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का मुद्दा 2010 में संसद में उठा था। उस समय देश में कांग्रेस की सरकार थी। राज्यसभा से महिला आरक्षण बिल पास हो गया लेकिन लोकसभा में अटक गया था। उस वक्त बिल का समाजवादी पार्टी जैसी पिछड़ों की राजनीति करने वाली पार्टियों ने विरोध किया था। पार्टियों ने कहा था कि महिला आरक्षण का लाभ दलित, ओबीसी, आदिवासी महिलाओं को भी मिले इसके लिए उनका एक हिस्सा 15—16 फीसदी फिक्स होना चाहिए। एक बार फिर से वही आरक्षण के अंदर आरक्षण का मुद्दा उठ रहा है।संसद में बोलते हुए मुलायम सिंह ने सोनिया गांधी की तरफ इशारा करते हुए कहा था, श्आप तो चेयरपर्सन हैं, वो पहले से बनी हैं, मुझसे भी पहले से रही हैं। समाज को जोड़कर चलेंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा। सद्भावना बढ़ेगी। लेकिन जो आगे निकल गए उन्हीं को आगे बढ़ाने की बात हो रही है। जो पीछे रह गए, उन्हें पीछे धकेलने की बात हो रही है। दलित, पिछड़ा, मुसलमानों की महिलाओं को आरक्षण दीजिए। सब मिलकर समाज में चलें। विषमता को खत्म किए बिना लोकतंत्र मजबूत नहीं होगा। देश की आजादी में गरीब—मजदूर सभी एक हो गए थे। ये आरक्षण किस महिलाओं का हो रहा है? हम महिला आरक्षण के विरोधी नहीं है, लेकिन जिस तरह से कानून आ रहा , उसमें संशोधन करिए। 2019 के लोकसभा चुनाव में 82 महिलाएं चुनाव जीतकर संसद पहुंची थीं। लोकसभा में 538 सीटें हैं। महिलाओं की भागीदारी 15.2 फीसदी रही। राज्यसभा के 238 निर्वाचित सांसदों में 33 महिलाएं हैं। उच्च सदन में महिलाओं की भागीदारी 13.9 फीसदी है।

महिलाओं को मिलेंगी यूपी में लोकसभा की 26, विधानसभा की 132 सीटें

लखनऊ पार्लियामेंट से महिला आरक्षण विधेयक पास होने पर यूपी में महिलाओं को बड़ा लाभ मिलेगा। भागीदारी बढ़ जायेगी।उत्तर प्रदेश की 26 लोकसभा और 132 विधानसभा सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। आजादी के 75 साल बाद भी आधी आबादी को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका है। वर्तमान में यूपी विधानसभा के 403 सदस्यों में 48 महिलाएं हैं,यानि निचले सदन में उनकी भागीदारी महज 12 फीसदी है, जो उनकी जनसंख्या के अनुपात के लिहाज से बहुत कम है। उच्च सदन यानि विधान परिषद में तो उनकी भागीदारी मात्र 6 फीसदी है। यूपी में लोकसभा की 80 सीटें हैं, जिनमें से 11ही महिला सांसद हैं। यूपी से लोकसभा सीटों में उनका प्रतिनिधित्व देश में औसत 15 फीसदी से कम है। यूपी की कुल लोकसभा सीटों में 14 फीसदी ही महिलाओं के हिस्से में हैं।

27 सालों से अटका है महिला आरक्षण बिल

लखनऊ पिछले 27 सालों से महिला आरक्षण बिल अटका हुआ है। सबसे पहले 1996 में देवेगौड़ा की सरकार इसे लाई थी, फिर अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के वक्त 1998,1999 और 2002 में महिला आरक्षण का बिल लाया गया था। बता दें कि 1998 में तो लालू यादव की पार्टी ने बिल की कॉपी आडवाणी के हाथ से छीन कर फाड़ दी थी और बिल पेश करने का विरोध किया था। इसके बाद डॉक्टर मनमोहन सिंह की सरकार ने 2008 में इसे राज्यसभा में पेश किया। उस वक्त बिल को ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी में भेज दिया गया, फिर इस बिल को 2010 में राज्यसभा ने पारित कर दिया लेकिन इस बिल को लोकसभा में पेश नहीं किया गया, तब से बिल लटका पड़ा है।

संयुक्त मोर्चा ने पीएम को लिख की रोजगार अधिकार विधेयक लाने की अपील

संवाददाता

लखनऊ। संसद के चल विशेष सत्र में रोजगार अधिकार विधेयक लाने की अपील संयुक्त युवा मोर्चा ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर की है। देश भर एक करोड़ रिक्त पदों को तत्काल भरने और आउटसोर्सिंग पर रोक लगाने का भी मुद्दा उठाया गया है। संयुक्त युवा मोर्चा के केंद्रीय टीम सदस्य राजेश सचान द्वारा ईमेल व एक्स के माध्यम से प्रेषित पत्र में कहा गया है कि अनुच्छेद 21 एवं नीति निदेशक तत्वों के अनुच्छेद 39 व 41 की व्याख्या में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नागरिकों कोरोजगार की जवाबदेही राज्य की है।

लखनऊ में डेंगू के मिले 18 नए मरीज

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में डेंगू के मिले 18 नए मरीज, पिछले 10 दिनों से रोजाना 20 से 25 मरीज मिल रहे थे पॉजिटिव, अलीगंज में डेंगू के सबसे अधिक चार मरीज मिले, चंदरनगर, टूड़ियागंज और सिल्वर जुबली इलाके में 3— 3 मरीजों में डेंगू की हुई।

फर्जी अवार्डों और सम्मानों की वसूली की जाती है कीमत

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद आफाक ने प्रेस को दिए अपने बयान में कहा है कि शहर में कुछ दिनों से ऐसे लोगों की संख्या कुछ बढ़ गई है जिनकी अवार्ड की भूख ने शहर में कुछ गुलदस्ता गैंगो को बढ़ावा दे रखा है। गुलदस्ता गैंग अवार्ड के भूखे लोगों को पैसा लेकर अवार्ड व सम्मान देते हैं। जिसमें शहर की एक नामी खानदानी व ट्रैवल कंपनी के मालिक और एक अंजुमन के मेम्बर को अवार्ड की बहुत भूख है। गुलदस्ता गैंग के लोग उच्च—अधिकारियों और ऊंचे पदों पर बैठे लोगों अमीरों और शिक्षण संस्थानों के जिम्मेदारों आदि को गुलदस्ता देकर उनके साथ फोटो खींचते हैं और उनके साथ अपने संबंध बनाते हैं फिर इन संबंधों की आड़ में इन अधिकारियों और जिम्मेदारों से गलत काम कराते हैं इसके लिए वह अधिकारियों की दलाली व चापलूसी कर अपने चहीतों की उन शिक्षण संस्थानों वह अन्य छोटी—मोटी जगह पर नियुक्ति करवाते है जिसके जिम्मेदारों को गुलदस्ता आदि देकर पुरस्कृत करते हैं। उच्च अधिकारियों और संस्थाओं के जिम्मेदारों को ऐसे गुलदस्ता गैंग से होशियार रहने की जरूरत है इस गैंग के लोग भोले भाले मासूम लोगों से इन अधिकारियों और शिक्षण संस्थानों में नियुक्ति कराने के नाम पर मोटी रकम वसूलते हैं और लोगों का अन्य तरीकों से शोषण भी करते हैं। ऐसे लोगों से उच्च अधिकारियों और ऊंचे पदों पर बैठे लोगों को दूरी बनाकर रखनी चाहिए कभी—कभी गुलदस्ता गैंग के सदस्य इन उच्च अधिकारियों और ऊंचे पदों पर बैठे लोगों की बदनामी का कारण भी बनते हैं। पूर्व में ऐसे लोगों की वजह से बहुत से मंत्री और कुछ अधिकारी जेल भी जा चुके हैं।

लखनऊ देह व्यापार का भंडाफोड़, फ्लैट में मिली विदेशी लड़कियां

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के पॉश इलाके में देह व्यापार का भंडाफोड़ हुआ है। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के अलखनंदा इंकेल्व में विदेशी लड़कियों से देह व्यापार कराने का मामला सामने आया। पुलिस को छापे में 10 से ज्यादा विदेशी महिलाएं और पुरूष मिले हैं। पड़ोसियों की सूचना के आधार पर पुलिस छापा मारने पहुंची थी। अलखनंदा इंकेल्व में पड़ोसी काफी दिनों से ऐसी गतिविधियों को देख रहे थे और इसको लेकर उनमें काफी चर्चा थी। पुलिस को इसकी सूचना दी गई। पुलिस ने पहुंचकर दबोच लिया।

पीएम आवास योजना व सीएम आवास योजना के लाभार्थियों के खाते में पहुँचे 1118.85 करोड़ : केशव

संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के सभी लाभार्थियों को सभी स्वामित्व प्रमाणपत्र दिया जाएगा। स्वामित्व प्रमाणपत्र के आधार पर भविष्य में लाभार्थी अपने आवास के आधार पर बैंक से ऋण की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में यह घोषणा की। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण व मुख्यमंत्री आवास योजना

ग्रामीण के लाभार्थियों के खाते में 1118.85 करोड़ रुपये की राशि आनलाइन भेजी।मुख्यमंत्री आवास योजना के 80 हजार लाभार्थियों के खाते में 323.24 करोड़ रुपये की पहली किस्त और प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों के खाते में 795.61 करोड़ रुपये की राशि आनलाइन ट्रांसफर की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में अब तक 38.56 लाख आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। उपमुख्यमंत्री ने आवास योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए। इस मौके पर ग्राम्य विकास राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, अपर मुख्य सचिव हिमांशु कुमार, ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी सहित अन्य मौजूद थे।

मूर्ति स्थापना के साथ गणेश महोत्सव शुरु, आज चढेगा बप्पा को गजरा

संवाददाता

लखनऊ। श्री गणेश प्राकट्य कमेटी की ओर से 18वां श्री गणेश महोत्सव मंगलवार को झूलेलाल वाटिका पर शुरु हुआ। कार्यक्रम की शुआत प्रातः 9 बजे विधिविधान से ''मनौतियों के राजा'' की मूर्ति स्थापना, श्रंगार एवं पूजन के साथ हुई। आचार्यो ने मंत्रों के साथ मूर्ति स्थापना कराई। पूजा संस्था के अखिलेश बंसल ने परिवार के साथ की। मूर्ति स्थापना में कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता, अध्यक्ष घनश्याम दास अग्रवाल, महामंत्री सतीश अग्रवाल, पार्षद रंजीत सिंह, देशराज अग्रवाल, जयकरण सिंह, संजय सिंह गांधी, शरद अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, अखिलेश बंसल, अजय अग्रवाल, अतुल बंसल, नीलेश अग्रवाल टाटा, रामशंकर वर्मा, नरेश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, विनोद अग्रवाल मौजूद रहे। मूर्ति स्थापना के समय पंडाल गणपति बप्पा मोरिया के जयघोष से गूंज रहा था। शाम को बप्पा के दरबार में भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें कोलकाता के प्रसिद्ध भजन गायक संजय शर्मा ने भजनों की गंगा बहाई। उन्होंने गणेश जी की स्तुति 'जय गणपति वन्दन गणनायक' से करने के बाद 'घर में पधारो गजानन मेरे घर में पधारो' सुनाया तो लोग मंत्रमुग्ध हो गए। उसके बाद उन्होंने एक भगवान श्रीराम पर भजन 'तेरे तन में राम मन में राम' सुनाया।कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि गणेश उत्सव के दूसरे दिन कल 20 सितम्बर दिन बुधवार को बप्पा को गजरा चढ़ाया जायेगा। उन्होंने बताया कि कमेटी के लोग बप्पा को गजरा चढ़ायेंगे।गजानन के नाम चिट्ठी प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सायं 6:00 बजे तक श्रद्धालु लिख सकते हैं।

यूपी में मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी का चौथा चरण शुरू

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौजूद खनिज (मिनरल्स) के भंडार के लिए प्रदेश सरकार के भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी के चौथे चरण की शुरुआत कर दी है। चौथे चरण में कुल 11 अलग अलग मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी होगी। इसके माध्यम से न सिर्फ बड़े पैमाने पर प्रदेश सरकार को निवेश प्राप्त होगा बल्कि रोजगार का भी सृजन होगा। इससे पहले 2022 में भी प्रदेश सरकार ने 3 चरणों में 4 ब्लॉक्स की नीलामी की थी। विभाग के अधिकारियों के अनुसार लंबे अरसे तक उत्तर प्रदेश विभिन्न मिनरल्स के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था। कई बार सप्लाई में भी दिक्कत होती थी। ऐसे में सरकार ने स्वयं के श्रोतों के माध्यम से अपनी और देश के अन्य राज्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने का निर्णय लिया है। इससे इंपोर्ट रोकने में मदद मिलेगी, जबकि एक्सपोर्ट की संभावनाओं को बल मिलेगा। साथ ही उत्तर प्रदेश मिनरल्स के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बन सकेगा और बड़े पैमाने पर निवेश से रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। चौथे चरण में 11 मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी की जा रही है। इनमें सर्वाधिक 10 ब्लॉक्स सोनभद्र में, जबकि एक ब्लॉक बुंदेलखंड के ललितपुर में है। सोनभद्र में एंडालुसाइट के 5 ब्लॉक, स्वर्ण के 2 ब्लॉक और सिलिमिनाइट, आयरन ओर व लाइमस्टोन का 1—1 ब्लॉक सम्मिलित है। वहीं, ललितपुर में आयरन ओर का एक ब्लॉक है। लाइमस्टोन का उपयोग सीमेंट बनाने में और आयरन ओर का उपयोग स्टील बनाने में किया जाता है।

रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में लगी आग, मची अफरा-तफरी

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के राजाजीपुरम स्थित रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय में मंगलवार को अचानक से आग लग गई। जिससे अस्पताल में अफरातफरी मच गई। दमकल के पहुंचने पर आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने का कारण एसी में शार्ट सर्किट बताया गया। दोपहर करीब 12 बजे के बाद अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में डॉ. केपी सिंह ड्यूटी पर थे। कमरे में एसी चल रहा था। अचानक एसी से बाहर की तरफ धुआं और आग की लपटें निकलने लगी और अस्पताल परिसर में धुआं भरने लगा।

आग की खबर फैलते ही अस्पताल में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने अग्निशमन उपकरणों से आग बुझाना शुरू कर दिया और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। थोड़ी देर बाद दमकल के पहुंचते ही आग पर काबू पा लिया गया। कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संगीता टंडन ने बताया कि दोपहर को अचानक से इमरजेंसी की एसी में शार्ट सर्किट के कारण आग लग गई। उस समय बड़ी संख्या में मरीजों की अस्पतालों में मौजूदगी रही पर हॉस्पिटल स्टॉफ की सूझ बूझ से बड़ा हादसा टल गया। कही कोई हताहत नही हुआ। थोड़ी देर बाद फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंची।

सघन मिशन इन्द्रधनुष सहित अन्य अभियान को सफल बनाने के बैठक सम्पन्न

अयोध्या। आगामी 9 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक सघन मिशन इंद्र धनुष टीकाकरण व आगामी संचारी धदस्तक अभियान 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक संचारी और 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान की तैयारियां जोरों से चल रही है। इसी को लेकर बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसौधा अधीक्षक डॉ आशुतोष श्रीवास्तव की अध्यक्षता मे

ब्लॉक टॉस्क फोर्स की बैठक सम्पन्न हुई।बैठक में मसौधा ब्लाक के सीएचसी से ब्लॉक प्रोग्राम प्रबंधक अफजल,ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर अर्चना सिंह, ब्लॉक एकाउंटेंट मैनेजर,बाल विकास परियोजना अधिकारी दिनेश कुमार,शिक्षा विभाग से अमिताभ ,सहायक विकास अधिकारी जीशान हैदर,नगर पंचायत भदरसा ओमान, आजीविका मिशन से ब्लॉक मिशन मैनेजर पवन वर्मा,शैलेश वर्मा,फील्ड मॉनिटर राम शंकर पाण्डेय शामिल हुए।बैठक मे ब्लॉक मोबिलाइजेसन कोर्डिनेटर यूनिसेफ धीरेन्द्र नाथ पाण्डेय ने बताया कि इसमें जीरो से पांच साल के ऐसे बच्चे को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाव के टीकाकरण होना है।जैसे टी. बी,खसरा,रुबेला, पोलियो,पीलिया,गला घोंटू,काली खांसी,टेटनस, निमोनिया,दिमागी बुखार,दस्त प्रबंधन शामिल हैं।जिनका पूर्व मे टीका छूट गया है, इसके साथ ही साथ गर्भवती महिलाओ को टेटनस के टीके लगेंगे।उन्होंने बताया कि ब्लॉक मसौधा का माह अगस्त 23 का टीकाकरण से उदासीनध झिझकध्इंकार बच्चों का ब्यौरा दिया।इस तरह कुल 114 ऐसे बच्चे हैं जिनमे से 102 बच्चों को उम्र के अनुसार टीका लगना था परंतु जिनमे 56 बच्चों को टीका लगा। वही बीआरटी द्वारा 09 सुपरवाइजर द्वारा 06 बीएमसी द्वारा 25 एएनएम आशा एडब्ल्यू एडब्ल्यू द्वारा 16 और 52 नए बच्चे को चिन्हित किया गया।ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अफजल ने बताया सभी विभाग का सहयोग लेकर सभी विभाग को दोनों तरह के माइक्रोप्लान शीघ्र दें दिया जाएगा।साथ ही साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ द्वारा माह जुलाई 23 मे संचारी ध दस्तक अभियान की मॉनिटरिंग का फीडबैक शेयर किया गया।डीएमसी यूनिसेफ हवलदार सिंह यादव,बीएमसी यूनिसेफ कुलदीप कुमार सिंह ने उदासीन परिवारों को टीकाकरण हेतु जागरूक किया गया।इस मौके पर एनम पुष्प लता एवं आशा माधुरी सिंह,आंगनबाड़ी, उदासीन परिवार के महिलाए उपस्थित रही।

स्त्री शक्ति को जाग्रत कर राष्ट्र के उत्थान में उनका योगदान लेना महिला संविधान संशोधन उसी दिशा में एक सराहनीय कदम है : रमेश भईया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार एवं राष्ट्रीय मानवता पुरुस्कार से सम्मानित रमेश भइया ने बताया कि इस समय देश भर में नंदिनी लोकमित्र शिविरों के आयोजन से एक गांधी विनोबा विचार का वातावरण बन रहा है। महिला शब्द की गरिमा से समाज परिचित हो तभी महिला यानी महान बनकर समाज को दिशा दे सकेगी। राष्ट्रीय युवा योजना के राष्ट्रीय सलाहकार श्री अजय कुमार पांडे ने कहा कि विनोबा जी की जयंती ११ सितम्बर 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने बाबा विनोबा को उनके अच्छे काम बताते हुए याद किया। विनोबा जी ने अंकों में 11 और पहाड़ों में व9 को अत्यंत शुभ बताया है।बाबा के पसंदीदा अंक ६ और ११ जिनसे समाज अवगत है। स्त्री शक्ति ,नारीशक्ति एवं महिला सशक्तिकरण पर भी बाबा विनोबा के विचार जगजाहिर हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने ११ सितम्बर को बाबा विनोबा को याद किया। आज संसद में १२८ वां (यानी योग ११) संविधान संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया गया और संविधान संशोधन विधेयक महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में महत्वपूर्ण कदम है। बाबा विनोबा कहा करते थे कि कुछ चीजें व्यक्ति प्रवाह से होती हैं और कुछ काल प्रवाह या समाज प्रवाह से होते हैं।बाबा विनोबा की ऋषि वाणी के अनुसार आगे आने वाला युग अहिंसा का होगा। विनोबा विचार प्रवाह के माध्यम से 2500 से ज्यादा लोग जो प्रवाह से जुड़े हुए हैं। जिनके पास सुबह सुबह प्रवाह निरंतर पहुंचता है। अहिंसा की प्रतिमूर्ति महिला को अहिंसक युग के नेतृत्व के लिए तैयार होना होगा। नंदिनी शिविर उसमें कुछ योगदान कर पा रहे हैं। अभी आगे आयोजित होने वाले शिविरों की श्रंखला में हरिजन सेवक संघ गांधी आश्रम दिल्ली 24 से 26 सितंबर, श्री रासबिहारी मिशन समस्तीपुर बिहार 29 से 31 अक्तूबर, मित्र मिलन पवनार 15 से 17 नवंबर , 22 से 24 दिसंबर विसर्जन आश्रम इंदौर , जनवरी धुले आश्रम, फरवरी माता रुक्मिणी सेवा संस्थान बस्तर और 3 मार्च से 5 मार्च मैत्री आश्रम लखीमपुर आसाम में आयोजित होने के बाद सभी चयनित नंदिनी परिवार ब्रम्हविद्या मंदिर पवनार में स्थापना दिवस 25 मार्च को एकत्रित होगा। देश भर की गांधी विनोबा विचार से जुड़ी संस्थाएं नंदिनी परिवार का सुंदर आतिथ्य और स्नेहमय व्यवहार करता देख अतीव प्रसन्नता हो रही है। समाज में बाबा विनोबा के विचार के प्रति एक अदभुत श्रद्धा दिखाई पड़ना शुभ संकेत ही कहा जा सकता है।

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में हरदोई जिले के अक्षय को मिला द्वितीय स्थान

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) नेहरू युवा केंद्र द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में जनपद का प्रतिनिधित्व करते हुए अक्षय प्रताप सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का आयोजन उत्तर प्रदेश के 75 जिलों से चयनित सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं के मध्य किया गया था। गांधी का वैश्विक प्रभाव वर्तमान समय में गांधी के विचारों की प्रासंगिकता विषयक इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर के प्रतिभागियों ने तय समय में अपने विचार रखे।

प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व शहर के बावन चुंगी निवासी अक्षय प्रताप सिंह ने किया।उन्हें प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया । जिला युवा अधिकारी प्रतिमा वर्मा ने बताया 02 अक्टूबर 2023 को संसद में होने वाले कार्यक्रम में प्रतिभाग करने हेतु देशभर से प्रतिभागियों का चयन किया जा रहा है, इसी कड़ी में जिले स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में अक्षय प्रताप सिंह द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया गया और राज्य स्तर पर प्रतिभाग किया गया जिसमे उन्हें द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ । जिला युवा अधिकारी ने विजेता को बधाई दी।

महिलाओं को शसक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है- मा0 अध्यक्ष

आंगनबाड़ी केंद्रों पर ससमय पोषाहार वितरण किया जाये-जिलाधिकारी

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

हरदोई –राष्ट्रीय पोषण माह 2023 के अवसर पर आज गाँधी भवन में अन्नप्राशन एवं गोद भराई का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस वर्ष के राष्ट्रीय पोषण माह की मुख्य थीम–सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत रखी गयी है। मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ लखनऊ में माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती रहीं। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती, जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा नव निर्मित पाँच आंगनबाड़ी केंद्रों का उदघाटन एवं 101 नए भवनों का शिलान्यास किया गया। उन्होंने 2 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई व 2 बच्चों का अन्नप्राशन कराया। कुपोषित श्रेणी से बाहर आने वाले 6 बच्चों की माताओं को पोषण किट प्रदान की। मुख्य अतिथि, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यक्रम में आये छोटे बच्चों को खिलौने वितरित किए। खिलौने पाकर बच्चे काफी खुश नजर आए। अपने उदबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि सरकार सुपोषित, साक्षर एवं सशक्त भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। महिलाओं को शसक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। बच्चों को सुपोषित रखने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम जनपद के निर्धन परिवारों को समर्पित है। उन्होंने कहा आंगनबाड़ी केंद्रों पर ससमय पोषाहार वितरण किया जाए। पोषाहार की गुणवत्ता मानक के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रो पर समस्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने कहा कि महिलाओं को पोषण अत्यंत आवश्यक है। गर्भावस्था के दौरान विशेष ध्यान रखना चाहिए। कार्यक्रम का संयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार ने किया। इस अवसर पर समस्त सीडीपीओ, सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिकाएं उपस्थित रही।

विद्युत विभाग के विजीलेंस का कोतवाली नगर क्षेत्र के मंडी गेट देवनगर स्थित घर में छापा

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

भारी मात्रा में विभागीय मीटर हुए बरामद ,सूत्रों की माने तो मीटर में रिमोट लगाने का काम करता था कृष्ण कुमार, विभागीय कर्मियों के रहमो करम पर चल रहा था अवैध कारोबार,मौके से आरोपी कृष्ण कुमार गिरफ्तार।

ग्रामीण युवाओं के लिए वरदान साबित होगी नि:शुल्क ग्रामीण पुस्तकालय -डा निर्मल खत्री

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या। अंजना ग्राम स्थित पी डी पांडेय राजपति महाविद्यालय के प्रांगण में आज से एक अनोखे पुस्तकालय का उद्घाटन .पूर्व सांसद डा निर्मल खत्री द्वारा किया गया। इस अवसर बोलते हुए डा निर्मल खत्री ने कहा कि अयोध्या जनपद के युवाओं के लिए यह पुस्तकालय वरदान साबित होगा। शिक्षा से ही देश का विकास संभव है, इस दिशा में इस पुस्तकालय की भूमिका प्रशंसनीय है जहा सबके लिए शिक्षा निःशुल्क उपलब्ध है।

उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पी डी पांडेय राजपति महाविद्यालय के प्रबंधक श्री राकेश पांडेय ने बताया की ग्रामीण पुस्तकालय नाम से संचालित यह पुस्तकालय सभी विद्यार्थियों के लिए पूर्णतः निःशुल्क है, इसके साथ छात्र – छात्राओं को बैठने के लिए कुर्सी मेज, पीने को स्वच्छ त्व जल आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। इस पुस्तकालय में विषय वस्तु, पाठ्यक्रम की किताबों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं, सामान्य ज्ञान, साहित्यिक, प्रसिद्ध लेखकों की विख्यात पुस्तकों के अलावा राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र व पत्रिकाएं भी उपलब्ध रहेंगी। यह पुस्तकालय आधुनिक सुविधाओं से लैस है जहां कंप्यूटर,ॅप–थ्प और म–इववो आदि की सुविधा की पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध है। पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों को सुबह 9 से शाम 5 बजे तक किसी भी विद्यार्थी व पुस्तकप्रेमी के लिए खुला रहेगा।इच्छुकअभ्यर्थीॅ. च्क्च।छक्म्ल्त्ड.ब्ध .प्छपर निःशुल्क रजिस्ट्रेशन कर सकते है ।

इस अवसर पर .कांगेसपार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह. ,एआई सी सी सदस्य उग्रसेन मिश्र, पूर्वप्रधान अनिल तिवारी,पूर्वक्षेत्र पंचायत सदस्य,.हरिशंकर तिवारी,प्रधानाचार्य संजीव चतुर्वेदी, जिलामंत्रीआलोक तिवारी,भाजपा नेता अरूण तिवारी महाविद्यालय के प्राचार्य जय शंकर यादव ,राधेश्याम तिवारी ,अशोक द्विवेदी रंगनाथ पांडे , प्रमोद तिवारी ,आदि मौजूद रहें।

एकाग्रता और समग्रता दोनो मिलकर ही जीवन बनता है . रमेश भइया

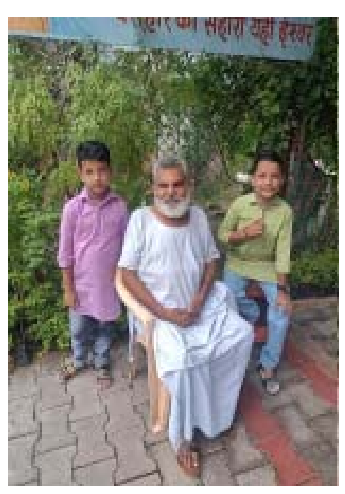

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भइया ने कहा कि सन 1921 में जमनालाल बजाज जी के आग्रह पर बापू ने सत्याग्रह आश्रम की एक शाखा वर्धा में खोलने का तय किया और उसके संचालन हेतु बाबा विनोबा को जाने के लिए बापू ने कहा।08 अप्रैल को अपने चार विद्यार्थियों और एक साथी के साथ बाबा विनोबा वर्धा पहुंच गए। और बाबा विनोबा ने अपना काम शुरू कर दिया। उसके बाद बाबा विनोबा अपने कार्य को इतनी एकाग्रता से करते थे कि वे खुद ही मिसाल बन जाते थे। क्योंकि बाबा उसे अपने जीवन की एक विशेष वस्तु मानते थे। लेकिन बाबा इतनी एकाग्रता के बीच यह कभी न भूल सके कि समग्रता भी आवश्यक होती है। एकाग्र और समग्र ,दोनो मिलकर ही जीवन बनता है। इसीलिए बाबा विनोबा ने आश्रम में काम करते हुए ग्रामसेवा में ध्यान देते हुए ,विद्यार्थियों के अध्ययन कार्य में समय देते हुए तटस्थ बुद्धि से, कुल दुनिया में जो हलचलें चलती रहीं,उनका सतत निरीक्षण और अध्ययन बाबा विनोबा करते रहे। बाबा विनोबा ने अपने को इन सब आंदोलनों से पूर्ण निर्लिप्त रक्खा था। निर्लिप्त इसलिए रक्खा था जैसे खेल के बाहर रहकर देखनेवाला उस खेल को ,खेल में दाखिल हुए लोगों से ज्यादा पहचान पाता है। वैसे ही बाबा विनोबा को भी अनुभव आया था। सेवाग्राम में कोई भी नेता या चिंतन करनेवाला शख्स बापू के पास आता तो बापू उसे बाबा विनोबा के पास पवनार भेज देते थे।यद्यपि बाबा विनोबा को बिल्कुल आदत नहीं थी कि बाबा किसी पर अपने विचारों का आक्रमण करें। फिर भी मिलनेवाले के साथ कुछ सवाल जबाव तो होते ही थे। तो बाहर के प्रवाहों की जानकारी बाबा को प्राप्त करने का मौका मिल ही जाता था। देखा जाय तो बैठे बैठे ही बाबा का बहुत बड़ा चिंतन निरीक्षण चलता ही रहता था। विनोबा विचार प्रवाह के अग्रज श्री जयेश भाई ने पर्यावरणीय स्वच्छता संस्थान सुघड़ में हर स्थान कक्ष मार्ग सभी को नाम दिया है। जैसे रामहरि,जयजगत, ग्राम स्वराज्य , सत्याग्रह , बसुधेश्वर , अहिंसा , पवित्रा जैसे भवन तो हैं ही लेकिन साधना के लिए शांति यात्रा के मार्ग में एकांत में 'एकाग्रता और समग्रता' दो सुंदर कक्ष बनाए हैं।जिनमें प्रकृति की रोशनी और प्रकृति की हवा को।प्राथमिकता दी गई है। बाहर भी ध्यानस्थ बैठने की भी व्यवस्था की गई है।

डाटा एंट्री ऑपरेटर की बैठक सम्पन्न

अयोध्या। बुधवार को सीएमओ सभागार में सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से आए डाटा एंट्री ऑपरेटर को जिला स्तर पर स्तरीय राष्ट्रीय कार्यक्रम सीएमओ डॉ संजय जैन की अध्यक्षता में आई.डी. एस.पी.विषय पर प्रशिक्षण किया गया।प्रशिक्षण में विस्तृत रुप से आई एच.आई.पी.ध्यू. डी.एस.पी.पोर्टल के विषय में बताया गया।साथ ही साथ ओपीडी रजिस्टर,डाटा एंट्री,डाटा विश्लेषण,आउटब्रेक,रिर्पोटिंग एवं इन्वेस्टिगेशन के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। कार्यशाला में कार्यशाला में सीएमओ डॉ संजय जैन के अलावा एसीएमओ डॉ पुष्पेंद्र कुमार,जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ वी पी त्रिपाठी,एपिडोमोलॉजिस्ट डॉ अरविंद श्रीवास्तव,जिला डाटा मैनेजर अंजय आशीष,डी एच ई ई ओ डी पी सिंह,एफ सी ओ डी के श्रीवास्तव,सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डाटा एंट्री ऑपरेटर व कुलदीप सिंह प्रशिक्षण में मौजूद रहे।

हरदोई के पुलिस अधीक्षक रामपुर स्थानांतरित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। जिला रामपुर और हरदोई के पुलिस अधीक्षकों के तबादले कर दिए गए हैं। केशव चंद्र गोस्वामी को हरदोई जिले का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

वहीं,हरदोई के पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्विवेदी को रामपुर का कप्तान नियुक्त किया गया है।

रामपुर के पुलिस अधीक्षक रहे अशोक कुमार को पुलिस अधीक्षक सीबीसीआईडी के पद पर तैनाती दी गई है।

शराब पीने से मना किया तो शराबियों ने पीटकर दुकानदार को मार डाला

रामकोट (सीतापुर) (संवाददाता)। थाना क्षेत्र में शराब पीने से मना करने पर शराबियों ने एक कबाड़ी को पीट दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस घटना के बाद मौके पर नहीं पहुंची। वहीं, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पिटाई के एक आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है। क्षेत्र स्थित काशीराम कॉलोनी के ब्लॉक नंबर दो निवासी पिंकू कश्यप (52) की कबाड़ की दुकान है। देर रात वहीं के निवासी राजेंद्र, जीतू और उसके अन्य साथी उसकी दुकान के सामने शराब पीने लगे। पिंकू के मना करने पर शराबियों ने उसके साथ अभद्रता शुरू कर दी। बात इतनी ज्यादा बढ़ी कि शराबियों ने पिंकू पर लोहे की रॉड व तौलने वाले बांट से हमला कर दिया। कबाड़ी मौके पर ही गिर गया। उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। इधर, जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को मामले की जानकारी दी। आरोप है कि पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। परिजनों ने घायल को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि कांशीराम गेट पर ही पुलिस चौकी बनी हुई है। जानकारी देने के बाद कोई भी मौके पर नहीं पहुंचा।

भूख से बेहाल गोवंशों ने तोड़ा बाड़ा, दो की मौत

सीतापुर (संवाददाता)। कसमंडा विकास खंड की ग्राम पंचायत सीतारसोई स्थित गोशाला में भूख से बिलबिलाए गोवंश तार तोड़कर धान के खेत में जा पहुंचे। करीब एक बीघा धान की फसल गोवंशों ने चट कर बर्बाद कर दी।

वहीं, दो गोवंशों की भूख से तड़पकर गोशाला में मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं संग बीडीओ ने मामले की जानकारी लेते हुए तारों को सही कराया। मृत गोवंशों को दफन कराया गया। विकास खंड कसमंडा क्षेत्र के सीतारसोई ग्राम पंचायत में रविवार रात भूख से बेहाल गोवंश तार तोड़कर एक किसान के खेत में पहुंच गए। धान की हरी–भरी फसल को चट कर गए। ग्रामीणों ने विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता बच्चे बाजपेई, शिवम मिश्रा व राम मोहन शुक्ला से शिकायत की। ग्रामीणों ने करीब एक घंटा हंगामा भी किया। कुछ देर बाद खंड विकास अधिकारी मनोज शर्मा गोशाला पहुंचे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का तहसीलदार ने किया दौरा

सीतापुर (संवाददाता)।बिसवां तहसीलदार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान ग्रामीणों से संवाद कर स्थिति की जानकारी ली। कटान प्वाइंट का अवलोकन कर व्यवस्थाएं परखीं। इन दिनों शारदा व सरयू का जलस्तर काफी कम है और कटान भी थमा हुआ है। इसके बाद भी प्रशासन लगातार बाढ़ ग्रस्त इलाके की निगरानी कर रहा है।

पांच साल की मासूम से चाचा ने किया दुष्कर्म

गंभीर हालत में मासूम को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, तीसरे दिन पुलिस को दी तहरीर

बाराबंकी (संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र में पांच साल की बच्ची के साथ उसके चाचा ने दुष्कर्म किया। गंभीर हालत में मासूम को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मंगलवार को तीसरे दिन महिला ने पुलिस को तहरीर दी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है। रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र की महिला ने सोमवार को कोतवाली पहुंच कर बताया कि शनिवार की सुबह करीब पौने सात बजे वह घर से करीब 200 मीटर दूर लगे हैंडपंप पर पानी लेने गई थी, जबकि उसकी पांच वर्षीय पुत्री घर पर अकेली थी। इसी बीच मासूम के चाचा गुरचरन ने उससे दुष्कर्म किया और फरार हो गया। कुछ देर बाद महिला पानी लेकर घर पहुंची तो उसे बच्ची लहूलुहान मिली। बच्ची ने आप बीती मां को बताई। पति को सूचना देकर मासूम को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। रविवार को हालत में सुधार होने के बाद महिला ने पति से कार्रवाई की बात कही। बताया जा रहा है कि मासूम के पिता ने इसका विरोध किया, जिससे आहत महिला बच्ची को लेकर मायके चली गई। यहां से सोमवार को महिला अपने रिश्तेदार के साथ कोतवाली पहुंची। इस बीच मासूम को उसने बाराबंकी शहर में अपने रिश्तेदार के घर भेज दिया था। पुलिस ने आरोपी चाचा गुरचरन को गांव से ही पकड़ लिया। हालांकि अब तक बच्ची के कोतवाली न पहुंचने के कारण मेडिकल नहीं हो पाया है। एसएचओ अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।